दैनिक भास्कर जींद भास्कर 28-01-2026

सीआरएसयू के अंग्रेजी विभाग में हुआ शैक्षणिक ऑडिट

जींद. सीआरएसयू में शैक्षणिक ऑडिट के दौरान जानकारी देते हुए।

भास्कर न्यूज | जींद

सीआरएसयू वीसी प्रो. रामपाल सैनी के मार्गदर्शन में अंग्रेजी विभाग में शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से शैक्षणिक ऑडिट का आयोजन किया गया। यह ऑडिट विश्वविद्यालय प्रशासन के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत संपन्न हुआ। ऑडिट प्रक्रिया के लिए दो प्रतिष्ठित बाह्य विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया, जिनमें प्रो. उमेद सिंह (अंग्रेजी विभाग, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा) और प्रो. राजबीर पराशर (आरकेएसडी कॉलेज, कैथल) शामिल रहे। दोनों विशेषज्ञों ने विभाग के पाठ्यक्रम, शिक्षण पद्धतियों, मूल्यांकन प्रणाली, शोध कार्यों, अकादमिक उपलब्धियों एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का गहन निरीक्षण किया।

विशेषज्ञों ने विभाग की शैक्षणिक गतिविधियों की सराहना करते हुए गुणवत्ता में निरंतर सुधार हेतु महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील फौगाट ने कहा कि शैक्षणिक ऑडिट से आत्म-मूल्यांकन का अवसर मिलता है, जिससे गुणवत्ता-आधारित शिक्षा को बढ़ावा मिलता है। वहीं विभाग की इंचार्ज डॉ. ममता ढांडा ने बताया कि विशेषज्ञों के सुझाव भविष्य की योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने में सहायक होंगे। ऑडिट के सफल आयोजन में विभाग के सभी प्राध्यापकों, स्टाफ एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। अंत में बाह्य विशेषज्ञों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

पंजाब केसरी
WED,28 JANUARY 2026
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 3

सी.आर.एस.यू. में शैक्षणिक आडिट का आयोजन

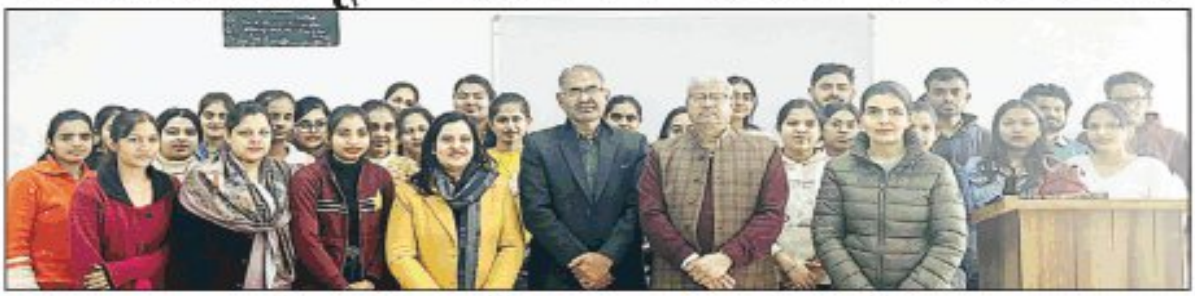

सी.आर.एस.यू. में कार्यक्रम में मौजूद स्टाफ और बच्चे।

जींद, 27 जनवरी (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी के कुशल मार्गदर्शन एवं दूरदर्शी नेतृत्व में अंग्रेजी विभाग में शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से शैक्षणिक ऑडिट का सफल आयोजन किया गया। यह अकादमिक ऑडिट विश्वविद्यालय प्रशासन के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत संपन्न हुआ।

इस अवसर पर 2 प्रतिष्ठित बाह्य विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। प्रो. उमेद सिंह, अंग्रेजी विभाग, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा तथा प्रो. राजबीर पराशर, आर.के.एस.डी. कॉलेज, कैथल ने बाह्य विशेषज्ञ के रूप में ऑडिट प्रक्रिया का संचालन किया। दोनों विशेषज्ञों ने विभाग के पाठ्यक्रम, शिक्षण पद्धतियों, मूल्यांकन प्रणाली, शोध कार्यों, अकादमिक उपलब्धियों एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का गहन एवं सूक्ष्म निरीक्षण किया।

अकादमिक ऑडिट के सफल आयोजन में अंग्रेजी विभाग के सभी प्राध्यापकों एवं स्टाफ सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा। अंत में विभाग की ओर से बाह्य विशेषज्ञों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा उन्हें स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. ममता ढांडा (इंचार्ज, अंग्रेजी विभाग) के कुशल मार्गदर्शन में किया गया।

विभाग के समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे और उन्होंने ऑडिट प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के अंत में बाह्य विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया गया। शैक्षणिक ऑडिट का यह आयोजन अंग्रेजी विभाग की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं अकादमिक उत्कृष्टता प्रति प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

अमर उजाला

Date- 28.01.2026

शिक्षण पद्धतियों का किया मूल्यांकन

सीआरएसयू में शैक्षणिक गुणवत्ता बेहतर करने को हुआ शैक्षणिक ऑडिट

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में अंग्रेजी विभाग में शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को शैक्षणिक ऑडिट हुई। इसमें चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय से प्रो. उमेद सिंह और आरकेएसडी कॉलेज कैथल से प्रो. राजबीर पराशर शामिल हुए।

दोनों विशेषज्ञों ने विभाग के पाठ्यक्रम, शिक्षण पद्धतियों, मूल्यांकन प्रणाली, शोध कार्यों, अकादमिक उपलब्धियों एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का गहन एवं सूक्ष्म निरीक्षण किया।

ऑडिट के दौरान बाह्य विशेषज्ञों ने अंग्रेजी विभाग की शिक्षण प्रक्रिया, पाठ्यक्रम संरचना, शोध गतिविधियों, शैक्षणिक उपलब्धियों, विभागीय कार्यप्रणाली, भविष्य की योजनाओं तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से संबंधित विभिन्न पहलुओं का गहन निरीक्षण एवं मूल्यांकन किया।

विशेषज्ञों ने विभाग की शैक्षणिक गतिविधियों की सराहना करते हुए गुणवत्ता में निरंतर सुधार हेतु उपयोगी सुझाव भी प्रदान किए। अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील फोगाट ने कहा कि अकादमिक ऑडिट से विभाग को अपनी शैक्षणिक गतिविधियों का आत्म मूल्यांकन करने का अवसर मिलता है, जिससे गुणवत्ता-आधारित शिक्षा को बढ़ावा दिया जा सकता है।

इंचार्ज डॉ. ममता ढांडा ने बताया कि बाह्य विशेषज्ञों के सुझाव विभाग के भविष्य की शैक्षणिक योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक ऑडिट से विभाग को अपनी शैक्षणिक गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाने, शिक्षण गुणवत्ता में सुधार करने तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अकादमिक मानकों के अनुरूप कार्य करने की दिशा में मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

अंत में विभाग की ओर से बाह्य विशेषज्ञों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

सीआरएसयू की शैक्षणिक ऑडिट में पहुंचे प्रो. उमेद सिंह और प्रो. राजबीर। स्रोत : विवि

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Jind - 28 Jan 2026 - Page 4

शैक्षणिक ऑडिट के लिए दो प्रतिष्ठित बाह्य विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया

सीआरएसयू के अंग्रेजी विभाग में किया शैक्षणिक ऑडिट

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी के नेतृत्व में अंग्रेजी विभाग में शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से शैक्षणिक ऑडिट का आयोजन किया गया। यह अकादमिक ऑडिट विश्वविद्यालय प्रशासन के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत संपन्न हुआ। इस अवसर पर दो प्रतिष्ठित बाह्य विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। प्रो. उमेद सिंह अंग्रेजी विभाग चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय सिरसा तथा प्रो. राजबीर पराशर आरकेएसडी कॉलेज कैथल ने बाह्य विशेषज्ञ के रूप में ऑडिट प्रक्रिया का संचालन किया। दोनों विशेषज्ञों ने विभाग के पाठ्यक्रम, शिक्षण पद्धतियों, मूल्यांकन प्रणाली, शोध कार्यों, अकादमिक उपलब्धियों एवं सहपाठ्यक्रम गतिविधियों का गहन एवं सूक्ष्म निरीक्षण किया। ऑडिट के दौरान बाह्य विशेषज्ञों ने अंग्रेजी विभाग की शिक्षण प्रक्रिया, पाठ्यक्रम संरचना, शोध गतिविधियों, शैक्षणिक उपलब्धियों, विभागीय कार्यप्रणाली, भविष्य की योजनाओं तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से संबंधित विभिन्न पहलुओं का गहन निरीक्षण एवं मूल्यांकन किया।

भिवानी। सीआरएसयू में कार्यक्रम में मौजूद स्टाफ और विद्यार्थी। *फोटो: हरिभूमि*

आत्म मूल्यांकन करने का अवसर

विशेषज्ञों ने गुणवत्ता में निरंतर सुधार हेतु उपयोगी सुझाव भी प्रदान किए। इस अवसर पर अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील फौगाट ने कहा कि अकादमिक ऑडिट से विभाग को अपनी शैक्षणिक गतिविधियों का आत्म मूल्यांकन करने का अवसर मिलता है। जिससे गुणवत्ता आधारित शिक्षा को बढ़ावा दिया जा सकता है। वहीं विभाग की इंचार्ज डा. ममता ढांडा ने बताया कि बाह्य विशेषज्ञों के सुझाव विभाग के भविष्य की शैक्षणिक योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। अकादमिक ऑडिट के सफल आयोजन में अंग्रेजी विभाग के सभी प्राध्यापकों एवं स्टाफ सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा। विभाग की ओर से बाह्य विशेषज्ञों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा उन्हें स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। शैक्षणिक ऑडिट से विभाग को अपनी शैक्षणिक गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाने, शिक्षण गुणवत्ता में सुधार करने तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अकादमिक मानकों के अनुरूप कार्य करने की दिशा में मार्गदर्शन प्राप्त होगा।